आत्मा बगैर शरीर के नही रह सकती। शरीर आत्मा की जरूरत है। शरीर के विनाश पर, आत्मा का घर नष्ट हो जाता है और इसलिए आत्मा दूसरे सूक्ष्म शरीर में जाती है। ये वो सूक्ष्म शरीर है जिसकी सहायता से मन सपने देखता है।मन में सब इंद्रियाँ होती है जिनके कारण स्वप्न में मन सब इंद्रियों का कार्य करता है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

इसका मतलब है कि शरीर का विनाश सीधे आत्मा के प्रस्थान यानी मृत्यु से जुड़ा हुआ है और इससे एक सबसे बड़े और प्रबल भ्रम को जन्म मिलता है कि जीवित रहने वाला व्यक्ति एक भौतिक शरीर है और कुछ भी नहीं। इसके बारे में हमने व्यापक चर्चा की है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है, तब तक निर्जीव शरीर एक जीवित वस्तु की तरह काम करता है।

आइए कुछ और कुछ उदाहरणों पर विचार करें। जब एक छड़ी हिलती है, तो यह खुद से नहीं हिलती बल्कि हाथ की गति से हिलती है। यदि हाथ हटा दिया जाता है, तो छड़ी पृथ्वी पर गिर जाती है। इसी प्रकार भौतिक शरीर, जिसमें हाथ और पैरों शामिल हैं, जो कि छड़ी की तरह निर्जीव हैं उनके जीवन का आधार आत्मा है, जो भौतिक शरीर को जीवन शक्ति प्रदान करता है।

स्वयंचालित रोबोट हैं। उनके सभी हिस्से निर्जीव हैं, लेकिन बिजली उनमें गति डालती है। रोबो एक जीवित व्यक्ति की तरह काम करते हैं लेकिन उनमें से कोई भी जीवन नहीं है। बिजली में भी जीवन का अभाव है क्योंकि इसमें एक महत्वपूर्ण तत्व, चैतन्यता की कमी है। जैसे रोबे बिजली के अभाव में कोई काम नही कर सकता उसी प्रकार आत्मा के अभाव में शरीर निर्जीव हो

जाता है। जीवन का स्रोत आत्मा है।

एक बार यह स्वीकार किया जाता है कि आत्मा जीवन का स्रोत है, तो व्यक्ति की मृत्यु की सभी विसंगतियों का स्पष्टीकरण मिलता है। कुछ लोग बाल्यावस्था में मरते हैं, कुछ युवावस्था में तो कोई उम्र बढ़ने के बाद। कुछ लोग कारण से तो कुछ लोग बिना किसी कारण के मरते हैं। ऐसे अधिकांश मामलों को दिल का दौरा कहते है, जिसका अर्थ है दिल की धड़कन बंद हो जाना। दिल अचानक क्यों काम करना बंद कर देता है? क्योंकि आत्मा ने शरीर को छोड़ दिया। आत्मा ने शरीर को क्यों छोड़ दिया? क्योंकि कुछ अवधि के लिए ये शरीर आत्मा को अपनी अनंत खुशी की तलाश करने के लिए दिया गया था। कार्यकाल समाप्त होने के बाद आत्मा को शरीर से बल के साथ बाहर निकाला जाता है। आत्मा के प्रस्थान पर शरीर अपने निर्जीव भौतिक पदार्थ की मूल स्थिति को प्राप्त होता है। यही मृत्यु है।